

डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुरु पूर्णिमा विशेष.....
शुभकामनाएं

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dar.co.in | www.detectivegroupreport.com



वर्ष : 8 अंक : 354

इंदौर, सोमवार 03 जुलाई, 2023

पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

11/2/17/11
MORARI SAPU
सत्य-ईश-कारुणा

गुरु में पंच परम तत्व...



मेरे भाई बहन... हम पंचतत्व से परिचित हैं ...पृथ्वी... आकाश... अग्नि ...तेज अथवा तो प्रकाश... वायु... जल...



त्रिभुवनीय दिन है गुरु पूर्णिमातो इसी कथा में हम सब संवाद के रूप में जगत भर के गुरुओं की वंदना कर लें ... सभी आचार्यों की वंदना कर लें ... सभी बुद्ध पुरुषों की वंदना कर लें ... सभी परमहंसों की वंदना कर लें ... सभी अवधुतों की वंदना कर लें ... परम साधुओं की वंदना कर लें ...क्यों?... इसलिए कि हमारे में पंच तत्व है... लेकिन गुरु ये तत्व नहीं है ...गुरु परम तत्व है ...नास्तित्तत्व गुरुपरम

1....पृथ्वी

पृथ्वी तत्व है ...तैलिन गुरु परम तत्व है ... हम सब जानते हैं पृथ्वी में भूतल आता है ...झाड़ टूटते हैं... असंख्यत सब हो जाता है... पृथ्वी ऊँच जाती है ... ऊँच मुकामों में पृथ्वी से लगा मिलवला है और मौतों तक सब भूमि भस्मीभूत हो जाती है ... तैलिन परम तत्व जो गुरु है उसमें कभी भूतल नहीं आता ... ये अलग है ...ओते वो गुरु नहीं...तेजा दे वो गुरु ... परम तत्व गुरु हो से कभी ऐसा स्वभाव निकले और सबको भस्मीभूत कर दे... श्रावों का जगत पुराणों में है... प्रथम विद्या ...किरी पंच तत्व में ये नहीं होता... गुरु के समान धैर्यवान और खननीय विषय में कोई नहीं...इतनीय वो तत्व नहीं है...परम तत्व है ...

2....जल....

हमारे में जल है... गुरु परम तत्व होते हुए उसमें सब प्रकाश का जल है... संसारा का जल है...उसके अंत अन्तर का जलवायु निर्मित है...गुरु परिश्रमी होता है... जगत के लिए परिश्रम करता है... गुरु सागर का जल है... शिथिल का सागर ...ये कुमारीधु है...करुणा सिधु...गुरु बढ़ती गंगा है...जलता हुआ तीर्थ है ...

3....अग्नि....

हमारे जैसे शरीर में अग्नि है... ज्यादा हो तो हम जल जावे ...गुरु में ज्ञानाग्नि है...जिससे ज्ञान की अग्नि में समस्त कर्मों को...प्राथम्य ...संविता ...छिद्यमान... कोई कर्म उसके पास आगत करने में धूमलत नहीं...दही बुद्ध पुरुष में विरह की अग्नि होती है... है मोहित...है मोहित... है मोहित ...

4....वायु....

हमारे शरीर में तत्व है वायु...वायु के 3 गुण है शास्त्रों में...मन्द...सुगन्ध...शीतल... गुरु परम तत्व है तब उसको जो समीर है...उसके पास जो देहा हो तब सामने वाले का पास विद्वान है...ऐसे रूप में ये मन्द...मध्यम...या तो उच्च वायु हो जाती है... वो वायु कायम मन्द जलत है...तैलिन कभी कभी जरूरत पड़े कि नहीं...इसका अधिकार और हो चुकने है...यहां धीरे धीरे नहीं...यहां एक धड़का करने की जरूरत है...गुरु का सामन्य...ये विद्वान शरीर के निष्कट नदन नहीं...हैं उसकी भी मीढ्या जरूर है...I know...but दूर बैठे हुए भी महसूस हो सकता है...शीतलता लाने ...एक छील लाने ...जो शांति दे वो बुद्ध पुरुष ...और उसके दस नहीं...उसके दास हो उसके भी हम दास बन जाए ... गुरु एक ऐसी शीतलता है... जो रिश्तेत अपने पास रखता है कि उसके पास बैठने से किन्ती उसको शीतलता देनी...किन्ती नहीं देनी...कहीं वो जड़ता की जाड़ न लग जाय...जब्या शीतलता उसमें तो जड़ता न आ जाए कि तब तो ये है ... खराब...किसके शरीर में गंध होती है...तैलिन बुद्ध पुरुष में एक नूतनी बुगुण होती है...एक विद्यावन स्मरण...टोटीसी विद्यावन...ये दुर्न्याय के किरी भी इत्र में नहीं है...किरी भी पररपुत्र में नहीं है...जधे धैरिस से ते आओ पररपुत्र...

5....आकाश....

बुद्ध पुरुष के पास धटाकाता...मटाकाश...ये तो है...तैलिन परम तत्व होने के कारण उसके पास कौन सा आकाश होता है ? ...रुद्राक्ष में सिखा है विद्यावाराणकाशा वासं प्रदोशन ...इस आकाश में ऐसे कई आकाश गायब हो जाते हैं...निस्वारा...आकाश...सब जित्त में सबया हुआ है...ये आकाश निरसकार है तैलिन ऐसे सोते...कौते आकाशा प्रिसरमें है वो पररपर इन्द्र में सब राग है...परम तत्व के रूप में जो पुरुष में आकाश होता है वो सब को अपनी बाहों में समाहित करता है...उसका आकाशा छोटा नहीं... ॥ राग कटा - ज्ञानत कायुधका ॥
www.dar.co.in

'गुरु की पादुका फर्नीचर नहीं है तुम्हारा प्यूचर है'

मैं पूरे विश्व को बहुत प्यार करता हूँ और इस मसला के कारण कहता हूँ कि आप जिसको मानते हो... विराम में बैठो तो...सुगं...राम...कुशा...इन्द्रवज्र की...गणेश जी...जो भी हो...बुधवन विद्यार्थी...अथर्व विद्यार्थी...केलान...जो भी हो...हर प्रकार की सुविधा हो...जो एक बार उसके सामने तो दीपक...दो दीपक जलाना...और कुछ नहीं... अंतःकाष्ठ प्रकाश हो जाएगा...इतना हम कर सकते हैं...बड़े-बड़े वायु...सामर्थ्य...जग...तप...हम कहाँ कर सकते हैं... खेत में काम करना...मजदूरी करना...ऑफिस में काम करना...जिसका जो पैसा...दो दीप...बुद्ध पाने के लिए नहीं...सिर्फ प्रकाश के लिए...और विशेष कुछ नहीं... जिस बुद्धपुरुष में आपकी पूर्णतः निष्ठा हो उनको 2 पादुका रखिये...अपना घर...अपना परिवार...इसकी रक्षा पालना करोगे...मेरा अनुभव है... और याद रखना...गुरु की पादुका फर्नीचर नहीं है...हमारा प्यूचर है...हमारा नसीब है...ये केवल फर्नीचर नहीं है कि शोकेस में रख दो...मैं करेन के मा मल्ल...दो दीप...दो पादुका ... रुद्राक्ष अथवा तुलसी माला...जो आपकी इच्छा हो...तैलिन मीर कंठ में कुछ है ऐसा एहसास करना...मैरा कंठ किसी के आधा पर है...और कर्म में माया...बेरका के रूप में...आप पर कोई प्रेरण नहीं है कि आप यही करो...आपके गुरु ने जो बताया वो यही करो...पत्नी...मौरगी बापु पिताकी को छोड़ उसके बीच से मिलवला हो...आपकी निष्ठा अपने गुरु में होनी चाहिए ... मैं तो एक डाक लेकर आता हूँ गांव गांव...तुकारं पते पर एक पोस्टकार्ड फेक देता हूँ...पह लो और जीवन धन्य कर लो...और आपको अच्छा लगें तो घर में रामायण...मानस और गीता...प्लीच...भले न पढ़ें...महाभारत की गीता और राम कथा की सीता हमारा जीवन है...पढ़ो तो बहुत अच्छा है...निस्तर कुछ पाठ करो तो अच्छी बात है ... सुधाया बहुत चढ़ता...अपनी झोली में छोटा सा मानस का गुटका...और छोटी सी भरवदा गीता रखिये...ये हमारा आइडेंटिटी है... 2 दीप...2 पादुका...कंड और कर्म में 2 माला...रामायण और गीता...ये सब मिलकर 8 अं 8 अं 9 वां...राम न्या... राम न विचार बंधे ... परम मंद् है राम ... महाभारत है राम ... बौध्म मंद् है राम... जब कुछ भी नहीं था तब राम था... जब सब कुछ है तब भी राम है... और जब कुछ भी नहीं बचेगा तब एकमात्र राम बचेगा ...

1500 एकड़ में बनेगा मित्रा पार्क

● इंदौर-पीथमपुर में काम कर रही 6 इंस्ट्रुटी 4 हजार लोगों को दैंगी रोजगार

● डिजिटल गुरु रिपोर्ट

इंदौर । इंदौर से 110 किमी दूर धार जिले के भैरौल में तैयार हो रहे मित्रा पार्क के जॉयंट सभ्यताओं को टेक्सटाइल और गार्मेंट्स इंडस्ट्री के रूप में विकसित करने की तैयारी तेजी से चल रही है। इस पार्क के जॉयंट कुल 25 हजार लोगों को रोजगार सिंगेना। देश की विद्यमान 25 टेक्सटाइल सभ्यताएं गार्मेंट्स इंस्ट्रुटी इस पार्क में 6 हजार 500 करोड़ रूपए का निवेश करेंगी।

एपपीआईटीसी से मिली जानकारी के अनुसार इस पार्क में इंदौर-पीथमपुर में काम कर रही 6 इंस्ट्रुटी भी लगभग 565 करोड़ रूपए का निवेश कर 4 हजार 400 लोगों को इन्फ्रास्ट्रक्चर और इनडोरस्पेस रोजगार देंगी। इंदौर-पीथमपुर को इन 6

● पीथमपुर के 6 उद्योग करेंगे निवेश

दिल्ली में घिसे दिने टेक्सटाइल मिनिस्ट्री की श्रेष्ठ हुई वी जिताने सेट सरकार के अधिकारी और यह उद्योग विभाग के अधिकारी शामिल हुए थे। विद्यमान यह जानकारी दिल्ली के अधिकारियों को दो मई को डि इंदौर-पीथमपुर के 6 उद्योग मित्रा पार्क में 565 करोड़ रूपए इन्वेस्ट करने। इंदौर-पीथमपुर की बायो सिपिंग 250 करोड़ रूपए, मोडिनी हेल्थ 125 करोड़ रूपए, प्रीमियम सिस्टेम्स 55 करोड़ रूपए, सेडो 50 करोड़ रूपए, बॉन्डम मोर 50 करोड़ रूपए और निर केवल 35 करोड़ रूपए का निवेश करेगी। ये कंपनियां लगभग 4 हजार 400 लोगों को रोजगार देंगी। इसके अलावा 20 कंपनियां छह हजार करोड़ के करीब इन्वेस्ट करेगी।

इंस्ट्रुटी के अनुसार देश की 19 इंस्ट्रुटी ने पार्क में इन्वेस्ट की योजना बनाई है। यह कंपनियां पार्क में करीब 6 हजार करोड़ रूपए का निवेश कर लगभग 21 हजार 400 लोगों को रोजगार देंगी। मंत्री राज्यमन्त्र सिद्धि दत्तात्रेय का कहना है कि पार्क करीब दो साल में तैयार हो जाएगा।

पार्क में 8 से 10 हजार करोड़ रूपए का निवेश इंस्ट्रुटी द्वारा कर्मिटेड किया गया है। मंत्री राज्यमन्त्र सिद्धि दत्तात्रेय का कहना है कि पार्क करीब दो साल में तैयार हो जाएगा। पार्क में 8 से 10 हजार करोड़ रूपए का निवेश इंस्ट्रुटी द्वारा कर्मिटेड किया गया है।

विद्यार्थी किताबी ज्ञान तक स्वयं को सीमित न रख प्रैक्टिकल बने : डॉ. इलेया राजा टी

● भीडियाकर्मियों के प्रतिभावान बच्चों का दौरा करके न हुआ सम्मान

● डिजिटल गुरु रिपोर्ट

इंदौर। अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाने और फिर उसे पाने के लिए रास्ता खोजना ही है। स्वयं को किताबी ज्ञान तक ही सीमित नहीं रखें, प्रैक्टिकल यह व्यवहारिक ज्ञान के रूप में भी हमिल करें। हमारे अध्ययन में इंजनरी और पारदर्शिता दोनों होना चाहिए।

यह विचार कनेक्ट डॉ. इलेया राजा टी के हैं, जो उन्होंने इंदौर प्रेस क्लब द्वारा मीडिया के सदस्यों के मेथेड वार्क में सम्मान समारोह कागिरील को सलाम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कार्यक्रम के विरोध अतिथि यॉन्ट सिम्पोजियम और मॉड्युलर स्पेकर रविवार कोराटी ने छोटी-छोटी, प्रेक और जनसभ्यता कक्षाओं को चुनते हुए

कहा कि यदि किसी बच्चे में प्रतिभाव, महत्वाकांक्षा और लक्ष्य के अंत कर्मिटेड है तो उसे अपने बचपन से चुनना ही बेहतर है ताकि उसे पूर्ण प्रतिभाव रचना प्राप्त हो सके। इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष अतिथि सिम्पोजियम ने कहा कि 'यह दौर प्रतिभाव का है। प्रतिभाव में बने रहने और निरंतर होकर निरंतर के लिए यह जरूरी है कि आप अधिक से अधिक ज्ञान प्राप्त करें। अतिथि ने उद्योग के बाद समारोह में भीडियाकर्मियों के 70 मेथेड वार्क का सम्मान किया गया। इन बच्चों को बैन, कर्षण, कम्पन, लंच ब्रकर, वाटर बोटन, कलर फैंशन चेंदस के साथ प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। फौजिफ उद्योगिक के अलावा छात्रों और राज्य स्तर की सभ्यताओं में पुरस्कार जीतने वाले ऐसे विभिन्न क्षेत्र में किताब उद्योगिक हॉलिस करने वाले प्रतिभावान बच्चों को भी सम्मानित किया गया।



Issues with Your Partner?

Habits
External-Affairs
Jealousy



Doubts
Family Disputes
Misunderstanding



TALK TO US
+91-9111030505
www.counsellingclub.co.in
info.counsellingclub@gmail.com

समस्या आपकी - समाधान आपकी

संपादकीय

युद्ध समाप्त करने की अपील

पुतिन अब अपने ही देश में घिरते नजर आने लगे हैं। वेगनर समूह की बगवत ने उनकी रणनीति को कमजोर किया है। ऐसे में लग रहा है कि अगर रुस पर दबाव बनाया जाए, तो वह अपने कदम वापस खींचने और बातचीत की मेज पर आने को तैयार हो सकता है। अगर रुस के रुकने में अभी लचीलापन नजर नहीं आ रहा। वेगनर को शांत करने में उसने कामयाबी हासिल कर ली है। ददअसल एक बात फिर भारत के प्रधानमंत्री ने रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात कर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की अपील की। पहले भी प्रधानमंत्री ने फोन पर बात करके इस मामले को सुलझाने की अपील की थी। शायद सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में आमने-सामने मिल कर उन्होंने पुतिन को जंग खत्म करने की सलाह दी थी। तब पुतिन ने कहा था कि वे उनकी बातों पर अमल करेंगे, अगर वापस लौटते ही उन्होंने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए थे। ददअसल, दुनिया के तमाम देश भारत की तरफ नजरें लगाए हुए हैं कि अगर वह मध्यस्थता करे तो रुस-यूक्रेन युद्ध रुक सकता है। इस सिलसिले में प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की से भी बातचीत की थी। उन्होंने भी सकारात्मक रुख दिखाया था। अगर करीब सवा साल से चलते इस युद्ध में दोनों देश वैश्विक गुटबादियों में कुछ इस तरह उलझ गए हैं कि उन्हें इससे बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल पा रहा। रुस चाहता है कि यूक्रेन नाटो की सदस्यता न ले, अगर यूक्रेन अपने हीत नाटो के साथ रहने में ही सुरक्षित मान रहा है। नाटो से जुड़े पश्चिमी देश यूक्रेन के समर्थन में हैं, जबकि रुस को ये देश बिल्कुल नहीं सुहाते। रुस को चीन का समर्थन हासिल है, जो अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन के वर्चस्व को चुनौती देता रहता है। इस तरह रुस-यूक्रेन युद्ध में दुनिया दो ध्रुवों में बंट गई है। अगर इस संघर्ष में कोई भी देश खूब कर काम करेगा तो नहीं उतरना चाहता कि महायुद्ध की विभाषिका एक बार फिर दुनिया पर टूटेगी। इस युद्ध के चलते पहले ही विश्व आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, महंगाई पर काबू पाना बहुत सारे देशों के लिए मुश्किल बना हुआ है। ऐसे में हर कोई चाहता है कि किसी भी तरह यह युद्ध रुके। भारत के रुस और यूक्रेन दोनों से बेहतर संबंध हैं और अमेरिका-ब्रिटेन से भी। इसलिए खासकर पश्चिमी देश चाहते हैं कि भारत इसमें मध्यस्थता करे। इस वक्त भारत समूह बीस की अध्यक्षता कर रहा है, इसलिए भी उसका इस समूह के देशों पर दबाव बना कर युद्ध को मिटाने का दावित बड़ा गया है।

अर्थ
किया है..!

पानी नहीं छोड़ा करते पेड़ों पर कोई निशान
भीतर बैठे रहते हैं प्राण बनकर, चुपचाप
प्यार करने का एक तरीका ये भी है।

संर सपाटा

उत्तराखंड में हैं ये खूबसूरत

वाटरफॉल्स
बारिश में बढ़ जाती है सुंदरता

अगर घूमने के लिए जगह मौसम के मुताबिक चुनी जाए तो ट्रिप यादगार बन जाता है। बारिश के समय में वाटरफॉल्स की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में इस मौसम में अगर आप कहीं घूमने की जगह देख रहे हैं तो आप उत्तराखंड जा सकते हैं। यहां पर कुछ बेहद खूबसूरत वाटरफॉल्स हैं, जिन्हें आप पार्टनर या फिर फैमिली के साथ देखने के लिए जा सकते हैं। जानिए उत्तराखंड के फेमस वाटरफॉल्स

काँच फॉल्स



ये वाटरफॉल्स रामनगर से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर है। अगर आप दिल्ली के आसपास कहीं रहते हैं तो एक दिन में इस जगह को घूम कर

जासिए आ सकते हैं। यग्रीन नदी का जल इस जगह की खूबसूरती को बढ़ा देता है। ये उत्तराखंड के सबसे फेमस फॉल्स में से एक है।

बसुंधारा फॉल्स



यग्रीन नदी के करीब होने के कारण, बसुंधारा फॉल्स के पानी और रामनगर नदी से मिलते हैं। समुद्र तल से 400 फीट ऊपर ये झरना, 122

मीटर की ऊंचाई से गिरता है। अपनी मन को शांत करने के लिए और सुकून के पल बिताने के लिए आप इस फॉल्स को देखने जरूर जाएं।

नीर गढ़ फॉल्स



श्रुतिकेरा तल्ले स्टेशन से नीर गढ़ फॉल्स आसानी से पहुंच सकते हैं। ये जगह श्रुतिकेरा में घूमने के लिए सबसे ज्यादा फेमस है। इस झरने पर दो पुल भी हैं और यहां पांच जल शक्ति रंग-बिरंगी तिरांगियां इस जगह को खूबसूरती को बढ़ाती हैं।

केम्पटी फॉल्स



मसूरी से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित, केम्पटी फॉल्स एक शांत झरना है। ये जगह पर्यटकों के बीच काफी फेमस है। इस जगह को निश्चिंतक के लिए अपना माना जाता है। कुछ दिनों यग्रीन नदी के जल आने पर इस जगह पर आ सकते हैं।

भद्रा फॉल्स



ये फॉल्स भी मसूरी के पास ही है। यहां आप भद्रा गंध में बस वा कार के जरिए आसानी से पहुंच सकते हैं। इस जगह पर आपको जगन्नाथ सिंघेरी लोग मिलेंगे। यहां कुछ दिनों रातों से बैठ कर आप सुकून के पल बिता सकते हैं।

Highlights

1. 3 MCC members suspended after verbal fight with Australian cricketers at Lord's Long Room
2. 6-ft-deep hole spotted in field after rains in Joshimath, sparks panic
3. Father fights with man for touching his daughter inside Vistara flight, video goes viral
4. Rioters break into Volkswagen showroom, drive away in brand new cars in France
5. Philippines tourism video uses images of other countries, ad agency apologises
6. His death being used as excuse to cause havoc: Nahel's grandmother on riots in France

'Don't refer to it as Gabbar Singh Tax, it helped citizens': Nirmala Sitharaman to GST's critics

NEW DEHRI, (Agency). As the Goods and Services Tax (GST) marks sixth anniversary on Saturday, Union finance minister Nirmala Sitharaman slammed critics dubbing it as the "Gabbar Singh Tax". Terming the jibe 'shameful', the minister said GST actually provided relief to the common citizens of the country.

Sitharaman further said that the previous tax system before GST involved multiple taxes leading to a cascading effect, where the same product was taxed multiple times, making it costlier for consumers. She highlighted the positive impact of GST, mentioning that post-GST, the "revenue buoyancy of states" has increased, the ability to collect greater revenue without changing the tax rate.

On GST Day, Sitharaman traced its journey as "One Nation, One Tax, One Market," and emphasised how GST has nurtured India's economic ecosystem. "Today is the 8th Goods and Services Tax #GST Day as GST was launched on 1st July 2017. Let's trace this iconic journey of #OneNation #OneTax #OneMarket and see how GST@6 is nurturing the Economic Ecosystem of India," Sitharaman tweeted. She mentioned that reduced taxes under GST have brought



happiness to every home, providing relief on various daily-use consumer goods.

Sitharaman also highlighted that GST implementation has simplified tax compliance for taxpayers, leading to an increase in the number of registered taxpayers from 1.03 crore in April 2018 to 1.36 crore by April 2023.

Gross GST revenue in June 2023 crossed ₹1.60 lakh crore mark, according to the finance ministry. This is the fourth time since the inception of GST that the gross collection has exceeded ₹1.6 lakh crore. Additionally, this is the seventh time that the collection has surpassed ₹1.50 lakh crore milestone since its introduction. The revenue collected in June 2023 is 12% higher than the GST revenues

collected in the same month last year.

When GST was initially introduced in 2017, the monthly GST revenues ranged from ₹85,000-95,000 crore. However, over time, these revenues have significantly increased and now stand at around ₹1.5 lakh crore, with a tendency to keep rising. The collection reached an all-time high of ₹1.87 lakh crore in April 2023.

GST introduced in 2017 A nationwide Goods and Services Tax (GST) was introduced on July 1, 2017, replacing 17 local taxes such as excise duty, service tax, and VAT, along with 13 additional charges. Prior to GST, the combination of VAT, excise, and CST, along with their cumulative impact, resulted in an average tax burden of 31 per cent for consumers.

Byju's co-founder Divya Gokulnath shares employees' post-town hall messages

NEW DEHRI, (Agency). Byju's co-founder Divya Gokulnath took to Instagram to share 'positive messages' from employees who reached out to her following a town hall meeting that was held to discuss the recent happenings at the company.

According to Moneycentral, Gokulnath termed the messages as an 'outpouring of love.'

What did employees

tell Gokulnath?

As per Moneycentral, an employee wrote about achieving 'newfound confidence', saying 'We didn't come this far to just come this far.' A second staffer wrote: "Hey Divya, when the going gets tough, the tough gets going - this is exactly how I felt post the town hall. Addressing all issues with so much clarity has helped clear the air across...yes, we have



challenges, but we will all stick together to address and overcome each one of them. We have not come this far, just to come

this far."

A third staffer expressed confidence that Byju's will eventually defeat all the challenges it is currently faced with, while a fourth emphasised the 'tough spirit' prevalent among the employees in the wake of the town hall.

Others, meanwhile, were 'happy' that CEO Byju Raveendran had directly addressed the gathering.

The town hall

The meeting took place on June 29. Later that day, Raveendran, who founded Byju's in 2011 with his wife (Gokulnath) sent an email to employees, mentioning how, for 18 years, he had dedicated more than 18 hours a day to the company, and wanted to do this for at least 30 more years.'

He, too, wrote in his message that 'We have not come this far to only come this far.'

